भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3116

जिसका उत्तर 18.12.2025 को दिया जाना है

राष्ट्रीय राजमार्ग का विस्तार और उन्नयन

†3116. श्री राहुल कस्वां:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए देश भर में राष्ट्रीय राजमार्ग विस्तार और उन्नयन के लिए कुल बजटीय आवंटन कितना है और अब तक कितना व्यय हुआ है;

(ख) वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान राजस्थान राज्य में स्वीकृत प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेसवे परियोजनाएं कौन-कौन सी हैं तथा उनकी स्वीकृत लागत, कार्यान्वयन के चरण, अपेक्षित पूर्णता समय-सीमा तथा अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार की नये राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी देते समय उच्च यातायात भार, भीड़भाड़ या सामिरक-आर्थिक महत्व वाले गलियारों और खंडों को प्राथमिकता देने की योजना है और यदि हां, तो ऐसी प्राथमिकता के लिए क्या मानदंड अपनाए गए हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) सरकार का सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के विकास और अनुरक्षण के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी है। वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के बजटीय आवंटन के साथ किए गए व्यय/जारी की गई निधियां निम्नानुसार हैं: -

वित्तीय वर्ष	**बजटीय आवंटन (करोड़ रू)**	**व्यय / जारी (करोड़ रू)**
2024-25	300,019	299,586
2025-26 (31.10.2025 तक)	287,333	182,570

(ख) विगत वित्तीय वर्ष 2024-25 और वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान राजस्थान राज्य में 425 किमी लंबाई की 6,880 करोड़ रू की पूंजीगत लागत की 29 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इसमें जोधपुर शहर में चार लेन एलिवेटेड सड़क, नागौर बाईपास सहित नागौर-नेत्रा खंड, एनएच-458 का रायपुर-जेसाखेड़ा खंड, एनएच-11 का म्याजलार-जैसलमेर खंड, एनएच-11 और एनएच-70 का सुंदरा-म्याजलार-अंबासिंह की ढाणी रोड खंड, करौली बाईपास, गंगापुर बाईपास आदि का विकास शामिल है।

वर्तमान में, राजस्थान राज्य में 589 किलोमीटर लंबाई की 34 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं जिनकी पूंजीगत लागत 11,638 करोड़ रू है, जिनमें से 322 किलोमीटर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। ये परियोजनाएं वित्त वर्ष 2026-27 तक चरणबद्ध तरीके से निर्धारित पूर्णता के साथ निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

(ग) राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास और अनुरक्षण, जिसमें राजस्थान राज्य भी शामिल है, एक सतत प्रक्रिया है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर किए जाने वाले कार्य, जिनमें पहुंच नियंत्रित राष्ट्रीय उच्च गति गलियारों/राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे का निर्माण, मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्गों की क्षमता को दो/चार/छह/आठ लेन मानकों तक बढ़ाना, राष्ट्रीय राजमार्गों पर भीड़ कम करने के लिए रिंग रोड/बाईपास/एलिवेटिड कॉरिडोर का निर्माण शामिल है, यातायात सघनता, संपर्कता की आवश्यकता, सड़क की स्थिति और प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) के साथ तालमेल के आधार पर किए जाते हैं।

*****